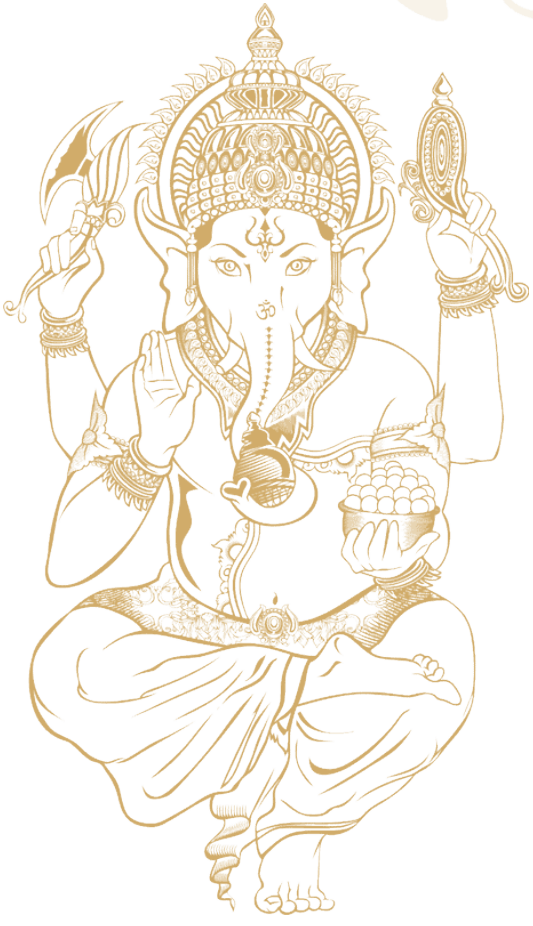

Subhash Rajput.

30 Aug 1963

01:30 AM

Nandurbar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120960532

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/08/1963**
दिवस	गुरू–शुक्रवार
जन्म समय	**01:30:00 कला**
इष्ट	48:06:58 घटी
स्थान	**Nandurbar**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:22:00 उत्तर
रेखांश	74:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:48 कला
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
स्थानिक वेल	00:57:12 कला
वेलान्तर	-00:01:09 कला
साम्पातिक वेल	23:26:25 कला
सूर्योदय	06:15:12 कला
सूर्यास्त	18:52:18 कला
दिनमान	12:37:06 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्याचे अंश	12:24:27 सिंह
लग्नाचे अंश	07:54:32 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	मिथुन – बुध
राशि–स्वामी	**धनु – गुरु**
नक्षत्र–चरण	**मूल – 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	उंदीर
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी–भीमा
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:54:32	329:41:40	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	----
सूर्य			सिंह	12:24:27	00:57:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	10:48:05	12:25:00	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगळ			कन्या	27:44:47	00:38:57	चित्रा	2	14	बुध	मंगळ	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	08:53:21	00:39:44	उ.फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु	व		मीन	25:28:01	00:03:55	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वगृही
शुक्र		अ	सिंह	12:20:41	01:14:23	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मक	25:11:56	00:04:11	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगळ	राहु	स्वगृही
राहु			मिथु	26:10:38	00:01:17	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	उच्च राशि
केतु			धनु	26:10:38	00:01:17	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	उच्च राशि
हर्ष			सिंह	12:19:40	00:03:45	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	----
नेप			तुला	19:52:15	00:01:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगळ	----
प्लूटो			सिंह	18:20:24	00:02:05	पू.फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	----
दशम भाव			कुंभ	27:30:43	--	पू.भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
लाहिरी अयनांश : 23:20:42

लग्न–चलित

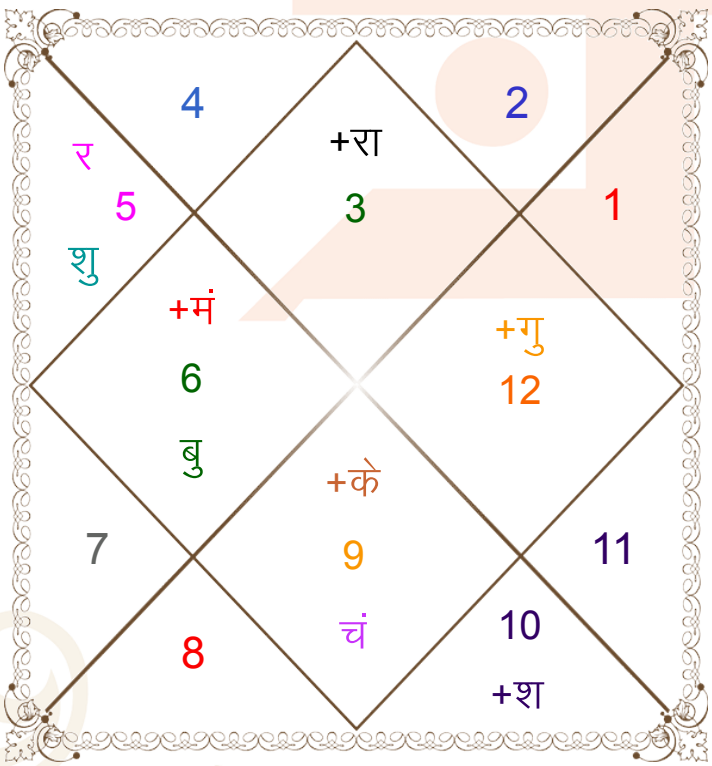

चन्द्र कुंडली

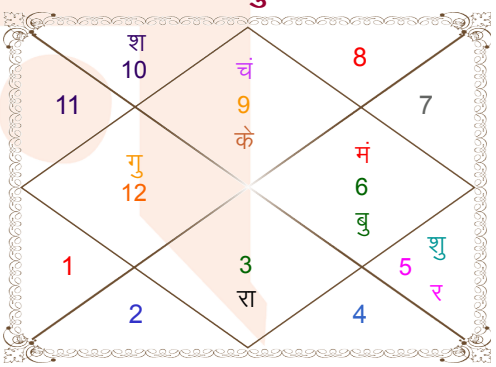

नवमांश कुंडली

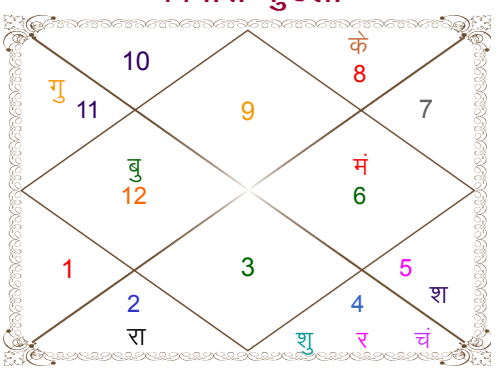

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : केतु 1 वर्ष 3 महिना 28 दिवस

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष	
30/08/1963		27/12/1964		27/12/1984		28/12/1990		27/12/2000	
27/12/1964		27/12/1984		28/12/1990		27/12/2000		28/12/2007	
	00/00/0000	शुक्र	28/04/1968	सूर्य	16/04/1985	चंद्र	28/10/1991	मंगळ	25/05/2001
	00/00/0000	सूर्य	28/04/1969	चंद्र	15/10/1985	मंगळ	28/05/1992	राहु	13/06/2002
	00/00/0000	चंद्र	28/12/1970	मंगळ	20/02/1986	राहु	27/11/1993	गुरु	20/05/2003
	00/00/0000	मंगळ	27/02/1972	राहु	15/01/1987	गुरु	29/03/1995	शनि	27/06/2004
	00/00/0000	राहु	26/02/1975	गुरु	03/11/1987	शनि	27/10/1996	बुध	25/06/2005
	00/00/0000	गुरु	27/10/1977	शनि	15/10/1988	बुध	29/03/1998	केतु	21/11/2005
	30/08/1963	शनि	27/12/1980	बुध	22/08/1989	केतु	28/10/1998	शुक्र	21/01/2007
शनि	31/12/1963	बुध	28/10/1983	केतु	27/12/1989	शुक्र	27/06/2000	सूर्य	29/05/2007
बुध	27/12/1964	केतु	27/12/1984	शुक्र	28/12/1990	सूर्य	27/12/2000	चंद्र	28/12/2007

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/12/2007		27/12/2025		27/12/2041		27/12/2060		27/12/2077	
27/12/2025		27/12/2041		27/12/2060		27/12/2077		00/00/0000	
राहु	09/09/2010	गुरु	15/02/2028	शनि	30/12/2044	बुध	26/05/2063	केतु	25/05/2078
गुरु	02/02/2013	शनि	28/08/2030	बुध	09/09/2047	केतु	22/05/2064	शुक्र	26/07/2079
शनि	10/12/2015	बुध	03/12/2032	केतु	18/10/2048	शुक्र	23/03/2067	सूर्य	30/11/2079
बुध	28/06/2018	केतु	09/11/2033	शुक्र	19/12/2051	सूर्य	27/01/2068	चंद्र	01/07/2080
केतु	16/07/2019	शुक्र	10/07/2036	सूर्य	30/11/2052	चंद्र	28/06/2069	मंगळ	27/11/2080
शुक्र	16/07/2022	सूर्य	28/04/2037	चंद्र	01/07/2054	मंगळ	25/06/2070	राहु	15/12/2081
सूर्य	10/06/2023	चंद्र	28/08/2038	मंगळ	10/08/2055	राहु	11/01/2073	गुरु	21/11/2082
चंद्र	09/12/2024	मंगळ	04/08/2039	राहु	16/06/2058	गुरु	19/04/2075	शनि	30/08/2083
मंगळ	27/12/2025	राहु	27/12/2041	गुरु	27/12/2060	शनि	27/12/2077		00/00/0000

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 3 मा 24 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।